APNI KAKSHA BY KK MAHTO

बिहार बोर्ड कक्षा 12 इतिहास (History)

अध्याय 2: राजा, किसान और नगर (आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ) — 5 Marks VVI Questions

⭐ परीक्षा की दृष्टि से सर्वाधिक महत्वपूर्ण (Repeated & Guessed) 5-अंकीय दीर्घ उत्तरीय प्रश्न ⭐

प्रश्नोत्तरी 1 [बार-बार पूछा गया (2019, 2021, 2023, 2025)]

प्र.1. मौर्य साम्राज्य के प्रमुख प्रशासनिक और राजनीतिक विशिष्टताओं का वर्णन करें।

उत्तर: मौर्य साम्राज्य प्राचीन भारत का प्रथम विशाल और सुव्यवस्थित साम्राज्य था। इसकी प्रशासनिक विशेषताएँ निम्नलिखित थीं:
1. **केन्द्रित शासन प्रणाली:** समस्त राजनीतिक और प्रशासनिक शक्ति सम्राट के हाथ में निहित होती थी, जिसे मंत्रियों की एक मंत्रिपरिषद सहयोग करती थी।
2. **प्रशासनिक केंद्र:** साम्राज्य के पाँच प्रमुख राजनीतिक केंद्र थे—राजधानी पाटलिपुत्र और चार प्रांतीय केंद्र (तक्षशिला, उज्जैन, तोसली और सुवर्णगिरि)।
3. **विस्तृत गुप्तचर व्यवस्था:** साम्राज्य की सुरक्षा और आंतरिक शांति के लिए कुशल गुप्तचर तंत्र कार्यरत था।
4. **सैन्य संगठन:** मेगस्थनीज के अनुसार सेना के संचालन के लिए छह समितियाँ थीं, जो पैदल, अश्व, रथ, गज और नौसेना का प्रबंधन करती थीं।
5. **धम्म की नीति:** अशोक ने शांति और नैतिकता स्थापित करने के लिए 'धम्म' का प्रतिपादन किया।

प्रश्नोत्तरी 2 [सर्वाधिक महत्वपूर्ण (2018, 2020, 2022, 2024)]

प्र.2. अशोक के अभिलेखों से मौर्यकालीन इतिहास की क्या जानकारी मिलती है? स्पष्ट करें।

उत्तर: सम्राट अशोक के अभिलेख भारतीय इतिहास के सबसे प्रामाणिक स्रोत माने जाते हैं। इनसे निम्नलिखित जानकारियाँ मिलती हैं:
1. **अशोक की विचारधारा और नीतियाँ:** इन अभिलेखों से अशोक के हृदय परिवर्तन, बौद्ध धर्म के प्रचार और प्रजा के प्रति उसके कल्याणकारी दृष्टिकोण की जानकारी मिलती है।
2. **धम्म की परिभाषा:** बड़ों का आदर, संतों की सेवा, दासों के प्रति दया और अहिंसा के सिद्धांतों का व्यापक विवरण मिलता है।
3. **साम्राज्य की सीमाएँ:** अशोक के अभिलेख भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न हिस्सों (पाषाण और स्तंभों) पर उत्कीर्ण हैं, जिससे साम्राज्य के विस्तार का पता चलता है।
4. **लिपि और भाषा:** इनमें ब्राह्मी, खरोष्ठी और यूनानी लिपियों तथा प्राकृत भाषा का प्रयोग हुआ है, जो तत्कालीन साक्षरता और भाषा को दर्शाते हैं।

प्रश्नोत्तरी 3 [बोर्ड परीक्षा स्पेशल (2019, 2022, 2024)]

प्र.3. छठी शताब्दी ईसा पूर्व को भारतीय इतिहास में एक 'महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी काल' क्यों माना जाता है?

उत्तर: छठी शताब्दी ईसा पूर्व को भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जाता है क्योंकि इस काल में निम्नलिखित क्रांतिकारी परिवर्तन हुए:
1. **सोलह महाजनपदों का उदय:** लोहे के बढ़ते प्रयोग और कृषि के विकास से बड़े क्षेत्रीय राज्यों (महाजनपदों) का उदय हुआ, जिनमें मगध सबसे शक्तिशाली बना।
2. **नगरीकरण की शुरुआत:** दूसरी नगरीकरण प्रक्रिया के तहत पाटलिपुत्र, उज्जैन जैसे बड़े नगरों और व्यापारिक केंद्रों का विकास हुआ।
3. **सिक्कों का प्रचलन:** व्यापार को सुगम बनाने के लिए आहत सिक्के (Punch-marked coins) चलन में आए।
4. **नये दार्शनिक विचारों का उदय:** वैदिक कर्मकांडों के विरुद्ध बौद्ध और जैन धर्म जैसे नए धर्मों का उदय हुआ, जिन्होंने समाज में समानता का संदेश दिया।

प्रश्नोत्तरी 4 [परीक्षा उपयोगी गेस प्रश्न (2020, 2021, 2023, 2025)]

प्र.4. गुप्त साम्राज्य के काल को 'भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग' क्यों कहा जाता है? विवेचना करें।

उत्तर: गुप्तकाल (चौथी से छठी शताब्दी) को भारतीय संस्कृति, कला और विज्ञान के चरमोत्कर्ष के कारण स्वर्ण युग कहा जाता है:
1. **आर्थिक समृद्धि:** कृषि और व्यापार में अभूतपूर्व प्रगति हुई, तथा भारी मात्रा में सोने के सिक्के (दीनार) जारी किए गए।
2. **कला और वास्तुकला:** देवगढ़ का दशावतार मंदिर और अजंता की गुफाएँ इस काल की उत्कृष्ट वास्तुकला के जीवंत उदाहरण हैं।
3. **साहित्यिक विकास:** कालिदास, आर्यभट्ट और वाराहमहिर जैसे महान विद्वान इसी काल में हुए। शकुंतलम और सूर्यसिद्धांत की रचना हुई।
4. **धार्मिक सहिष्णुता:** वैष्णव और बौद्ध धर्म के साथ कला व संस्कृति को राजकीय संरक्षण प्राप्त हुआ, जिससे शांति और समृद्धि स्थापित हुई।

💡 **टिप:** बिहार बोर्ड परीक्षा में 5 अंकों के दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर सटीक शीर्षकों (Headings) और बुलेट पॉइंट्स में लिखें ताकि अधिकतम अंक प्राप्त हो सकें। — **APNI KAKSHA BY KK MAHTO**